Assignments for TEE December 2021 and for TEE June 2022

(बीए दर्शनशास्त्र तृतीय वर्ष)

BPY-009 समकालीन पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. उत्तर-संरचनावाद क्या है? संरचनावाद से इसका भेद कीजिए। 20

अथवा

दर्शन-विषयक विश्लेषणात्मक (एनालिटिक) एवं कॉन्टीनेन्टल दृष्टिकोणों के अन्तरों को रेखांकित कीजिए। 20

2. इड और ऑडिपस कॉम्प्लेक्स क्या हैं? सिग्मण्ड फ्रायड के मनोविश्लेषणात्मक (सायकोएनालिटिक) सिद्धान्त पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

विलियम जेम्स एवं जॉन डेवी के प्रयोजनवादी सिद्धान्तों के मध्य अन्तरों की पहचान कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

   अ) हाइडेगर यह कैसे दर्शाते हैं कि दासाइन की समग्रता और प्रामाणिकता की सत्तामीमांसीय सम्भावना सत्तारूप (ऑन्टिकली) से मूर्त (कांक्रीट) हो जाती है? 10

   आ) आलोचनात्मक सिद्धान्त (क्रिटिकल थ्योरी) पर मार्क्स और हेगेल के प्रभाव पर निबन्ध लिखिए।10

   इ) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि किर्केगार्द का दर्शन छलांग का दर्शन (फिलॉसोफी ऑफ लीप) हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 10

   ई) सामान्य भाषा दर्शन के विकास में जे एल ऑस्टिन एवं पी एफ स्ट्रासन के योगदान पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) नीत्शे के दर्शन में 'ईश्वर की मृत्यु' के विचार पर टिप्पणी कीजिए। 5

आ) रसेल के वर्णनात्मक सिद्धान्त पर टिप्पणी कीजिए। 5

इ) उत्तर-आधुनिकतावाद की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5

ई) चित्र सिद्धान्त (पिक्चर थ्योरी) पर टिप्पणी कीजिए। 5

उ) सार्त्र के दर्शन में 'अन्य के अस्तित्व/उपस्थिति को नष्ट करना' का क्या तात्पर्य है? 5

ऊ) श्लेमचेर के अर्थ-विज्ञान (हर्मन्युटिक्स) बोध/समझ की कला है, के विचार का मूल्यांकन कीजिए।5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणियां लिखिए।
5*4= 20

अ) जीवन-आकार (फॉर्म ऑफ लाइफ) 4

आ) मार्सल के दर्शन में उपलब्धता का विचार 4

इ) पेरोल 4

ई) दासाइन 4

उ) इपोखे 4

ऊ) बोध/समझ की भाषागतता (अंडरस्टेंगिंग ऑफ लिंग्विस्टिकलिटी) 4

ए) अलगावपूर्ण श्रम (एलीनेटिड लेबर) 4

ऐ) देरिदा के दर्शन में 'भेद (डिफरेन्स)' की अवधारणा 4

BPY-010 ज्ञानमीमांसा

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. प्रत्यक्ष के रचनात्मक दृष्टिकोण (कन्स्ट्रक्टिव अप्रोच) की क्या विशेषताएं हैं? चर्चा कीजिए। 20

अथवा

सत्य का संवादिता (कॉरेस्पोन्डेन्स) सिद्धान्त क्या है? इस सिद्धान्त के आधारभूत परिकल्पना(एं) क्या हैं? 20

2. रीति/मानक-निर्माण के लिए हेबरमास की युक्ति/तर्कणा-पद्धति पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। हेबरमास ने युक्तिपरकता/तर्कणा पर बल क्यों दिया? 20

अथवा

व्याप्ति क्या है? न्याय दर्शन कैसे अनुमान को ज्ञान/प्रमा का साधन (प्रमाण) सिद्ध करता है? न्याय दर्शन के अनुमान के विरुद्ध क्या मुख्य आपत्तियां हैं? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए। 2*10= 20
   - अ) न्याय एवं बौद्ध दर्शन की प्रत्यक्ष की परिभाषा की तुलना कीजिए। 10
   - आ) 'द्वि-प्रक्रिया दृष्टिकोण (डुअल-प्रोसेस अप्रोच)' पर निबन्ध लिखिए। 10
   - इ) वाक्य के वास्तविक अर्थपूर्ण होने के लिए न्याय दर्शन ने कौन-सी चार शर्तें बताई हैं?10
   - ई) पद्धतिपरक सातत्य (मेथोडोलॉजिकल कन्टिन्युटी) पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) न्याय दर्शन के पंचावयव वाक्य को धुंआ-आग के शास्त्रीय उदाहरण से भिन्न उदाहरण देते हुए लिखिए। 5
   - आ) अरस्तू के दर्शन में द्रव्य के विचार पर टिप्पणी कीजिए। 5
   - इ) मीमांसा दर्शन वेद की प्राधिकारिता की असंदिग्धता/अकाट्यता की प्रतिरक्षा कैसे करते हैं? 5

ई) पारम्परिक (ट्रेडीशनल) और मध्यवर्ती (मोडेस्ट) आधारवाद में भेद कीजिए। 5

उ) नारीवादी ज्ञानमीमांसा की चारित्रिक विशेषताएं क्या हैं? वर्णन कीजिए। 5

ऊ) अक्विनास के दर्शन में सहभागिता (पार्टिसिपेशन) की अवधारणा पर टिप्पणी कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) प्राकल्पनात्मक अनुमान (प्रिडिक्टिव इन्फरेन्स) 4

आ) पृथकत्व 4

इ) डोकास्टिक बेसिकलिटी (व्यक्तिगत विश्वास सम्बन्धी संसक्ततावाद) 4

ई) प्रत्ययों का साहचर्य (एसोसिएशन ऑफ आइडियाज) 4

उ) ज्ञान लक्षण प्रत्यक्ष 4

ऊ) अनुमान 4

ए) संश्लेषणात्मक पूर्वसिद्ध (सिन्थेटिक अ-प्रायरी) 4

ऐ) असाधारण प्रत्यक्ष 4

BPY-011 मानव-व्यक्ति दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. चर्चा कीजिए,
   अ) भाषा एवं विचार में सम्बन्ध
   आ) मनुष्य में संकल्प (विल) एवं बुद्धि (इन्टेलेक्ट) में सम्बन्ध 10+10= 20

   अथवा

   क्या आप ऐसा सोचते हैं कि मानव अस्तित्व और स्वतन्त्रता के मध्य सम्बन्ध है? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 20

2. बुद्धि (इन्टेलेक्ट) क्या है? बुद्धि के अस्तित्व की सिद्धि हेतु युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 20

   अथवा

   संस्कृति क्या है? क्या आप मानव को सांस्कृतिक-उत्पाद की तरह देखते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   अ) डार्विनवाद एवं नव-डार्विनवाद में अन्तर कीजिए। 10
   आ) आत्मा के पारगमन (अन्यत्र जाना; ट्रान्समाइग्रेशन) को सिद्ध करने के लिए क्या युक्तियां हैं?10
   इ) भगवद्गीता एवं बौद्ध दर्शन की मानव-विषयक अवधारणा की तुलना कीजिए। 10
   ई) मानव शरीर की सांवृत्तिकता (फिनोमिनोलॉजी) का क्या अर्थ है? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   अ) "बुद्धि पूर्ण प्रतिबिम्बन में समर्थ है।" चर्चा कीजिए। 5
   आ) "प्रत्यय सार्वभौमिक हैं परन्तु ज्ञात सत् (वास्तविकता) वैयक्तिक है" चर्चा कीजिए। 5
   इ) बौद्ध दर्शन के मानव-सम्बन्धी विचार पर टिप्पणी कीजिए। 5

ई) मार्ले पॉन्टी ने देकार्ते के कॉगिटो का क्या विकल्प प्रस्तुत किया? 5

उ) "मनुष्य की दो तरह की प्रवृत्तियों की तरह संसार मनुष्य के लिए दो तरह का है" चर्चा कीजिए।5

ऊ) सेक्स और जेण्डर में भेद कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) "सत् (बीइंग) की तरह है अतः कार्य करता है" (एज अ बीइंग सॉ इट एक्ट्स) 4

आ) परावर्तनीय चेतना (रिफ्लेक्सिव कॉन्शसनेस) 4

इ) एक्स निहिलो 4

ई) संकल्प-स्वातन्त्रय के पक्ष में नैतिक युक्ति 4

उ) भाषा का निर्देशात्मक कार्य 4

ऊ) मूल अधिकार की पूर्वमान्यताएं 4

ए) बौद्धिक क्षुधा (रेशनल एपिटाइट) 4

ऐ) प्रतीकात्मक सम्प्रेषण 4

BPY-012 विज्ञान दर्शन और ब्रह्माण्ड-विज्ञान

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. आप, सुकरात-पूर्व विचारकों एवं विज्ञान के मध्य क्या कोई कड़ी पाते हैं? दोनों के मध्य कुछ सामान्य विशेषताओं को खोजने का प्रयास कीजिए। 20

अथवा

सत्यापन पद्धति/विधि क्या है? कार्ल पॉपर ने सत्यापन पद्धति की किस तरह आलोचना की? 20

2. अनिश्चित्तता का सिद्धान्त क्या है? अनिश्चित्तता के सिद्धान्त के परिणामों पर टिप्पणी कीजिए। 20

अथवा

काण्ट, न्यूटन और आंइस्टीन की दिक्-काल-विषयक समझ की तुलना कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) न्यूटन की वैज्ञानिक पद्धति पर टिप्पणी कीजिए। 10
   - आ) टॉलमी और टॉलमी-पश्च प्रणालियों की तुलना कीजिए। 10
   - इ) कॉपर्निकसीय प्रणाली की अभिकल्पनाओं पर टिप्पणी कीजिए। 10
   - ई) आन्तरिक एवं बाह्य विज्ञान के इतिहास के मध्य अन्तर कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100-100** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ब्रह्माण्ड में सामञ्जस्य है? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां दीजिए। 5
   - आ) गैलीलियो ने अरस्तू के गति-सिद्धान्त की गलतियों को किस तरह दूर किया? 5
   - इ) तार्किक भाववाद के विज्ञान सम्बन्धी विचार पर लघु निबन्ध लिखिए। 5
   - ई) सापेक्षता के विशिष्ट सिद्धान्त पर लघु निबन्ध लिखिए। 5
   - उ) पश्चवर्ती गति (रेट्रोग्रेड मोशन) पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

ऊ) नव-कॉपर्निकसीय प्रणाली पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग 100-100 शब्दों में लघु टिप्पणियां लिखिए। 5*4= 20

अ) हब्बल स्थिरांक 4

आ) *वेल्टनस्चुंग (Weltanschauung)* *4*

इ) प्रायोगिक विज्ञान 4

ई) ऑल्बर का विरोधाभास 4

उ) जड़ पदार्थ की द्वैध प्रकृति 4

ऊ) व्याख्या 4

ए) "ब्रह्माण्डीय आयु बहुत कम है" 4

ऐ) मिथ्याकरण (फाल्सिफेकेशन) 4

BPYE-001 धर्म-दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. ईश्वर के अस्तित्व/सत्ता को सिद्ध करने के लिए नैतिक, सत्तामीमांसीय एवं ब्रह्माण्ड-विषयक तर्क (युक्तियां) क्या हैं? चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

चर्चा कीजिए,

अ) ईश्वर की सर्वज्ञता सिद्ध करने के लिए युक्तियां

आ) रहस्यवाद 10+10= 20

2. धार्मिक संघर्ष/मतवाद के समाधान के लिए साक्ष्य की भूमिका और सीमाओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

धार्मिक बहुलवाद क्या है? क्या आपका मानना है कि साक्ष्यों की सहायता से धर्म-संघर्षों को समाप्त किया जा सकता है? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां दीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) आन्तरिक श्रद्धागत सम्वाद की सम्भावना पर निबन्ध लिखिए। 10

आ) कलाम युक्तियों की चर्चा कीजिए। 10

इ) धार्मिक सहिष्णुता पर टिप्पणी कीजिए। 10

ई) इमाइल दुर्खीम और मेक्स वेबर के धर्म-विषयक दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) बोनवेन्चर ईश्वर के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करते हैं? 5

आ) “ईश्वर सरल है” व्याख्या कीजिए। 5

इ) लॉक के दर्शन में ईश्वर के प्रत्यय पर टिप्पणी कीजिए। 5

ई) क्या आप सहमत हैं कि धर्मशास्त्रीय कथन परीक्षणीय नहीं हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए।5

उ) धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण के मुख्य प्राक्कल्पनाओं और विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

ऊ) रुडोल्फ़ ऑटो की धार्मिक अनुभव को विश्लेषित करने वाली संवृत्तिपरक पद्धति की चर्चा कीजिए।5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) धर्म 4

आ) धर्मशास्त्रीय विधेय 4

इ) ईश्वर के अस्तित्व के पक्ष में नैतिक युक्ति 4

ई) अशुभ की समस्या 4

उ) ‘सम्पूर्ण अन्य’ (दि व्हॉली अदर) 4

ऊ) प्रकृतिवाद 4

ए) उत्तर-आधुनिक धर्म 4

ऐ) पूर्व-स्थापित सामंजस्य 4

BPYE-002 जनजाति और दलित-दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. मौखिक संस्कृति का महत्व की चर्चा कीजिए और इसकी मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। इसकी तुलना लेखन संस्कृति से कीजिए। 20

अथवा

जनजातीय विश्व-दृष्टि में कॉस्मोथिएन्ड्रिज्म के विचार पर निबन्ध लिखिए। 20

2. "अलगाव एवं भेदभाव के विरुद्ध सम्बन्ध प्रेरणार्थक हैं"। क्या आप इस दावे से सहमत हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 20

अथवा

ग्राम्सी का लोक-समाज (सिविल सोसायटी) का विचार क्या है? दलित-सशक्तिकरण में लोक समाज की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) भेदभाव के सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - आ) मुण्डा एवं संथाल जनजातियों के सृष्टि-सम्बन्धी विचारों की तुलना कीजिए। 10
   - इ) जनजातीय दर्शन के संक्रमण अवस्था पर निबन्ध लिखिए। 10
   - ई) भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक दर्शन पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) भारत में दलित राजनीति पर ग्राम्सी की अवधारणा के अनुप्रयोग की सीमाओं की चर्चा कीजिए। 5
   - आ) जनजातियों में उत्तराधिकार प्रणाली पर लघु टिप्पणी लिखिए। 5
   - इ) जनजातियों की विश्व-दृष्टि में लोकगीतों/कहानियों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 5
   - ई) हो जनजाति के सृष्टि-विषयक विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

उ) दलित आन्दोलनों में पहचान के स्मरण की भूमिका की अतिसंक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

ऊ) अभाव के स्मरण की हिस्टोरियोग्राफी (इतिहास-विद्या) का वर्णन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी कीजिए। 5*4= 20

अ) नैतिक अशुभ 4

आ) जनजातीय आध्यात्मिकता 4

इ) भारत में दलित राजनीति की हेजेमनी की अवधारणा *4*

ई) हरिजन की अवधारणा 4

उ) वैकल्पिक इतिहास-विद्या (ऑल्टरनेटिव हिस्टोरिओग्राफी) 4

ऊ) *करम* 4

ए) पहचान 4

ऐ) अलगाव (एलिनेशन) 4